# महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता

14 फरवरी 2021 को महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ गृहविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री स्मिता दूबे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए किया।

महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (बालक वर्ग) का निर्णायक मैच अवनीश कुमार सिंह (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) तथा आदित्य कुमार वर्मा (बी.एस–सी. भाग–दो) के बीच खेला गया, जिसमें अवनीश कुमार सिंह को विजेता घोषित किया गया जबकि शतरंज प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में प्रज्ञा शाही (बी.एस–सी. भाग–एक) को प्रथम तथा प्रियंका गुप्ता (बी.ए. भाग–एक) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में बबिता चौहान (एम.ए. अन्तिम वर्ष) तथा रिया मद्धेशिया (बी. ए. भाग–दो ) को प्रथम अनुपा यादव तथा पूजा गुप्ता (बी.ए. भाग–तीन) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ जबकि कैरम प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में बी.एड्. अन्तिम वर्ष के दिव्यम श्रीवास्तव तथा अनुज कुमार श्रीवास्तव को प्रथम तथा अभय प्रताप सिंह (बी.एस–सी. भाग–दो) एवं निखिल पाण्डेय (बी.कॉम भाग–तीन) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में श्री नन्दन शर्मा, डॉ.वेंकट रमन, कविता मंध्यान, श्री रमाकान्त दूबे तथा श्री प्रतीक दास ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के सी.टी.ओं. डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्रा ने किया।

एकता और अनुशासन

अमर उजाला

गोरखपुर | सोमवार, 15 फरवरी 2021 | 6

# शतरंज : अवनीश और प्रज्ञा शाही ने मारी बाजी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में चल रहे खेल महोत्सव के चौथे दिन रविवार को महिला और पुरुष वर्ग की महंत अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज तथा कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शुरुआत गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर स्मिता दूबे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। महंत अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (बालक वर्ग) का निर्णायक मैच अवनीश कुमार सिंह (बीएड. अंतिम वर्ष) तथा आदित्य कुमार वर्मा (बीएससी, भाग-दो) के बीच खेला गया। इसमें अवनीश कुमार सिंह ने जीत दर्ज की। शतरंज प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में प्रज्ञा शाही (बीएससी, भाग-एक) को प्रथम तथा प्रियंका गुप्ता (बीए. भाग-एक) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

महंत अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में बबिता चौहान (एमए. अंतिम वर्ष) तथा रिया मद्धेशिया (बीए. भाग-दो) को प्रथम, अनुपा यादव तथा पूजा गुप्ता (बीए. भाग-तीन) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कैरम प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में बीएड अंतिम वर्ष के दिव्यम श्रीवास्तव तथा अनुज कुमार श्रीवास्तव को प्रथम तथा अभय प्रताप सिंह (बीएससी, भाग-दो) एवं निखिल पांडेय (बीकॉम भाग-तीन) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। अंत में क्रीड़ा प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने सभी का आभार जताया।

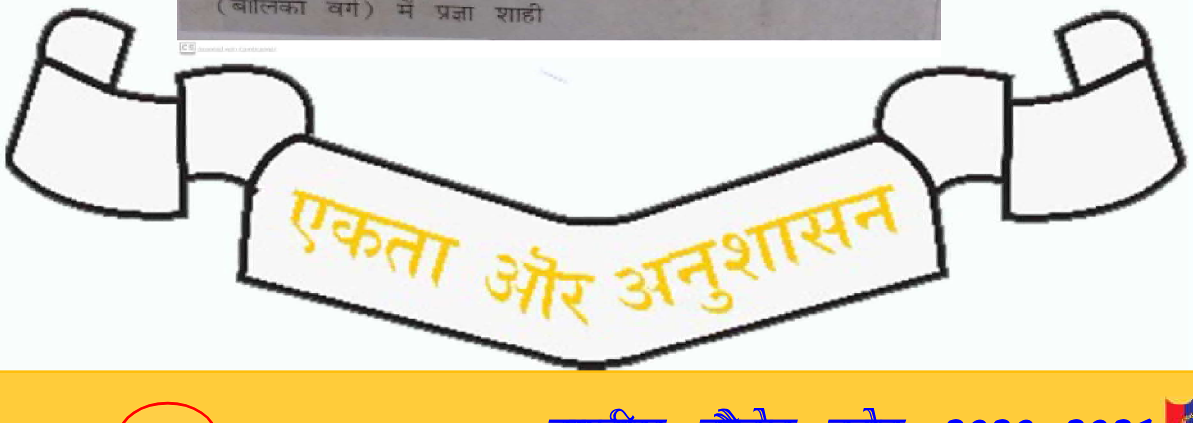

# निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

03 मार्च 2021 को 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एंव संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय द्वारा अभिगृहीत ग्राम छोटी रेतवहियां में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जे.के.मिश्र एवं उनकी टीम द्वारा ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा रोगियों को निःशुल्क दवा वितरित किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष सुबोध कुमार मिश्र एवं विद्यार्थी श्री विकास चौधरी, श्री अभय

राज वर्मा, श्री अभिषेक सिंह, श्री सुधीर सिंह, श्री दीपक विश्वकर्मा एवं कार्यालय सहायक श्री झब्बर शर्मा आदि लोगों ने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय सहभाग किया। इस दौरान गांव के कुल 168 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और 135 लोगों को निःशुल्क दवा वितरित किया गया।

एकता और अनुशासन

हिन्दुस्तान गोरखपुर • गुरुवार • 04 मार्च 2021 06

## मनुष्य का तृतीय नेत्र है ज्ञानः डॉ. रामप्यारे

**गोरखपुर।** महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में बुधवार को स्वास्थ्य शिविर व व्याख्यान समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति तथा शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र ने कहा कि ज्ञान के अभाव में मनुष्य का जीवन पशुवत हो जाता है। ज्ञान को शास्त्रों में मनुष्य का तृतीय नेत्र कहा गया है। उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत अभिगृहीत ग्राम छोटी रेतवहियां में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें गांव के कुल 68 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और 135 लोगों को निःशुल्क दवा वितरित किया गया। अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

एकता और अनुशासन

# जनजागरूकता रैली एवं पोस्टर प्रतियोगिता

04 मार्च 2021 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ड्रग की माँग को घटाने हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना के अन्तर्गत मद्यनिषेध विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार तथा 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन तथा 45वीं यू.पी. बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट

कोर के संयुक्त तत्वावधान में 'नशा उन्मूलन' विषय पर कैडेट्स ने जन–जागरूकता रैली निकाली। रैली महाविद्यालय से आरम्भ होकर हसनगंज, ककहरियाँ, भट्टा चौराहा होते हुए पुनः महाविद्यालय आकर समाप्त हुई। रैली का शुभारम्भ महाविद्यालय के उप–प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। रैली में छात्रों ने पोस्टर तथा नारों के माध्यम से लोगों को मद्यपान से होने वाली बिमारियों तथा दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया।

रैली के पश्चात् महाविद्यालय में 'नशा एक अभिशाप' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भावना जायसवाल (बी.एस–सी. भाग–दो), द्वितीय स्थान निशा विश्वकर्मा (बी.ए. भाग–एक), तृतीय स्थान सृष्टि श्रीवास्तव (बी.एस–सी. भाग–दो) तथा सांत्वना पुरस्कार दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए.

एकता और अनुशासन

भाग–तीन) को प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी, गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक तथा सुश्री स्मिता दूबे ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन 45 यू.पी. बटालियन के सी.टी.ओ. डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन 15 यू.पी. गर्ल्स बटालियन की सी.टी.ओ. श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

एकता और अनुशासन

एकता और अनुशासन

# दौड़ प्रतियोगिता

05 मार्च 2021 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ड्रग की माँग को घटाने हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना के अन्तर्गत मद्यनिषेध विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार तथा 15वीं यू.पी. गर्ल्स तथा 45वीं यू.पी. बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त

तत्वावधान में 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता (बालक तथा बालिका वर्ग) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्राचीन इतिहास, पुरातत्व संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए उन्हें सम्बोधित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रहीं।

800 मीटर दौड़ (बालक वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋषि कुमार निषाद (बी.ए. भाग–एक), द्वितीय स्थान राहुल कुमार भारती (बी.ए. भाग–एक), तृतीय स्थान अश्विनी चौहान (बी.ए. भाग–एक) तथा सांत्वना पुरस्कार विकास कुमार यादव (बी.ए. भाग–एक) को प्राप्त हुआ। 800 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा चौरसिया (बी. एस–सी. भाग–दो), द्वितीय स्थान ज्योति निषाद (बी.ए. भाग–एक), तृतीय स्थान आसना सिंह (बी.ए. भाग–एक) तथा सांत्वना पुरस्कार खुश्बू प्रजापति (बी.ए.भाग–एक) को प्राप्त

हुआ। निर्णायक के रूप में गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव, सुश्री रीतिका त्रिपाठी एवं कम्प्यूटर सहायक ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन 45वीं यू.पी. बटालियन के सी.टी.ओ. डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन की सी.टी.ओ. श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

एकता और अनुशासन

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • रविवार • 07 मार्च 2021 • 08

### एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में हुई प्रतियोगिता

# 800 मीटर दौड़ में ऋषि व नेहा प्रथम

**आयोजन**

गोरखपुर | निज संवाददाता

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में शनिवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार भावना जायसवाल को मिला। 800 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में प्रथम पुरस्कार ऋषि कुमार निषाद व बालिका वर्ग में प्रथम पुरस्कार नेहा चौरसिया को प्रदान किया गया।

हिन्दी विभाग द्वारा 'भाषा एवं वर्तनी' विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें मुख्य वक्ता डीडीयू गोरखपुर के पूर्व आचार्य प्रो. राम दरश राय ने कहा कि भाषा के साथ वर्तनी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। वर्तनी भाषा की पूरक है। व्याकरण भाषा का अनुशासन है। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर काजल उपाध्याय रहीं। बाबा गम्भीर सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र की ओर से आयोजित निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई परीक्षा संपन्न हुई। इसमें रीतिका प्रजापति प्रथम, स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक विभाग द्वारा शराब, धूमपान एवं मद्यनिषेध विषय पर नुक्कड़ नाटक एवं रैली का आयोजन किया गया। रैली महाविद्यालय प्रांगण से निकलकर मंझरिया एवं हसनगंज गांव तक पहुंची। बीएड विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत नारी सशक्तीकरण विषय पर विभाग द्वारा गोद लिए गए गांव मंझरिया में नुक्कड़ नाटक कर कन्या भ्रूण हत्या, बेटी के अस्तित्व की रक्षा, महिलाओं व नेतृत्व क्षमता पर लोगों को जागरूक किया गया।

## स्लोगन प्रतियोगिता में प्रीति ने जमाई धाक

गोरखपुर। डीडीयू के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें निवेदिता इकाई, रानी लक्ष्मी बाई इकाई, चेतना इकाई एवं प्रियदर्शनी इकाई की स्वयं सेविकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में नेहा, सुप्रिया, नंदिनी ने प्रथम। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रीति (चेतना इकाई) व रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान एवं सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनुपमा कौशिक, डॉ. मीतू सिंह और डॉ. एकता सोनकर मौजूद रहीं।

NCC

एकता और अनुशासन

# विशिष्ट व्याख्यान एवं पुरस्कार वितरण समारोह

06 मार्च 2021 को सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ड्रग्स की मांग कम किये जाने हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना के अन्तर्गत मद्यनिषेद्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार तथा 15वीं यू.पी.गर्ल्स बटालियन तथा 45वीं यू.पी. बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं में मादक पदार्थों के सेवन की

बढ़ती मांग को कम करने के दृष्टिगत 'नशा उन्मूलन' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान तथा मद्यनिषेध पोस्टर एवं दौड़ प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण के अवसर पर बुद्ध पी.जी. कॉलेज, कुशीनगर के मनोविज्ञान विभाग की उपाचार्य डॉ. रीना मालवीय ने नशा उन्मूलन विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा मद्यपान, नशा सारी बुराईयों की जड़ है। यह मनुष्य को असंतुलित बनाता है। इसे व्यक्ति नकारात्मक रोक थाम के रूप मे भी अपनाता जाता है। नशा एक ऐसी बुराई है। जिससे मानव का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। सिगरेट, गांजा, भांग, अफिम, चरस तथा शराब जैसे मादक पदार्थो के कारण व्यक्तित्व का विनाश, निर्धनता और मृत्यु का द्वार खुलता है। इसके कारण परिवार तक टूट रहे हैं। भारत सरकार इस बुराई को जड़ से समाप्त करने हेतु दृढ़ संकल्पित है, और नशा उन्नमूलन के लिए कई योजनाएं चला रही है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला मद्य निषेध एवं समाजोत्थान विभाग, गोरखपुर की अधिकारी श्रीमती अरूणा जोशी ने बोलते हुए कहा नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो हमारे समूल जीवन को नष्ट कर देती है। युवा पीढ़ी सबसे अधिक नशे की लत से पीढ़ित है। हमें नशे मद्य निषेद्य के प्रति जागरूक होकर अपने समाज को बचाना होगा।

इस अवसर पर 04 और 05 मार्च को आयोजित की गयी मद्यनिषेध प्रतियोगिताओं (पोस्टर प्रतियोगिता तथा 800मीटर दौड़ प्रतियोगिता) में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृति किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार भावना जायसवाल (बी.एस–सी. भाग–दो), द्वितीय पुरस्कार निशा विश्वकर्मा (बी.ए. भाग–एक), तृतीय पुरस्कार सृष्टि श्रीवास्तव (बी.एस–सी. भाग–दो) तथा सांत्वना पुरस्कार दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए. भाग–तीन) को प्रदान किया गया। 800 मीटर दौड़ (बालक वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ऋषि कुमार निषाद (बी.ए. भाग–एक), द्वितीय पुरस्कार राहुल कुमार भारती (बी.ए. भाग–एक), तृतीय पुरस्कार अश्विनी चौहान (बी.ए. भाग–एक) तथा सांत्वना पुरस्कार विकास कुमार यादव (बी.ए. भाग–एक) को प्रदान किया गया। 800 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार नेहा चौरसिया (बी.एस–सी. भाग–दो), द्वितीय पुरस्कार ज्योति निषाद

एकता और अनुशासन

(बी.ए. भाग–एक), तृतीय पुरस्कार आसना सिंह (बी.ए. भाग–एक) तथा सांत्वना पुरस्कार खुशबू प्रजापति (बी.ए.भाग–एक) को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उप–प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव तथा संयोजन 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. की सी.टी.ओ श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया। कार्यक्रम का संचालन 45 यू.पी. बटालियन, एन.सी.सी. की सी.टी.ओ डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

एकता और अनुशासन

एकता और अनुशासन

एकता और अनुशासन

# निबन्ध प्रतियोगिता

08 मार्च 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ''पंचायत चुनाव : महिलाओं की सशक्त होती भूमिका'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में स्थानीय स्वशासन एवं नारी शक्ति की वृहद होती भूमिका को रेखांकित करना था। इस अवसर पर प्रास्ताविकी प्रस्तुत करते हुए 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के सी.टी.ओं. डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्रा ने कहा कि पंचायती राज के माध्यम से लाखों स्त्रियों का जो लोकतांत्रिक प्रशिक्षण हो रहा है उससे पंचायती राज में महिलाओं का दबदबा बढ़ता ही जा रहा है जो अन्ततः हमारी समग्र राजनीति को प्रभावित कर

रहा है। आज देश की 2.5 लाख पंचायतों में लगभग 32 लाख प्रतिनिधि चुनकार आ रहे हैं जिनमें 14 लाख से भी अधिक महिला प्रतिनिधि शामिल हैं। यह आंकड़ा बताता है कि महिलाएं किस तरह से देश में राजनीतिक कार्यों में सहभागिता कर रहीं है। पंचायत के कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी न केवल महिलाओं के खुद के स्वाभिमान के लिए सकारात्मक संकेत है, बल्कि इससे भारत के गांवो में फैली सामाजिक असमानता भी दूर होगी।

प्रतियोगिता में कुल 38 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान प्रिया जायसवाल (बी.ए. भाग–एक), द्वितीय स्थान आश्रिती सिंह (बी.ए. भाग–एक) तथा तृतीय स्थान सोनी चौधरी (बी.ए. भाग–एक) ने प्राप्त किया।

एकता और अनुशासन

हिन्दुस्तान गोरखपुर • मंगलवार • 09 मार्च 2021 04

## निबंध प्रतियोगिता में प्रिया प्रथम, आश्रिती द्वितीय

गोरखपुर। एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा 'पंचायत चुनाव : महिलाओं की सशक्त होती भूमिका' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की प्रिया जायसवाल प्रथम, आश्रिती सिंह द्वितीय व सोनी चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर रंगोली प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की रानी ने प्रथम, रूबी भारती ने द्वितीय तथा सुमन गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एकता और अनुशासन

# समावर्तन संस्कार समारोह

17 मार्च 2021 को चौदहवे समावर्तन संस्कार समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार एवं कार्यक्रम अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह का स्वागत एन.सी.सी. कैडेट ने प्लाइलेटिंग से किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्रीमती तेजस्वनी अनन्त कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा

कि ज्ञान का सही अर्थ उसके उपयोग में है, न कि उसके अर्जन में। वास्तव में यदि देखा जाए तो युवाओं का असली सामाजिक जीवन शिक्षा प्राप्ति के पश्चात ही प्रारम्भ होता है। विद्यार्थी जीवन में अर्जित सद्ज्ञान से ही विद्यार्थी समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान कर सकता है। विद्या ही व्यक्ति का वास्तविक धन होता है। यह वो धन है जिसका किसी भी परिस्थिति में क्षरण नही हो सकता। ज्ञान–विज्ञान के बढ़ते आयामों के साथ आज विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को संजोकर रखना होगा। समावर्तन संस्कार का मूल ही हमें संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़े रखना है। आज के बदलते हुए परिवेश के विद्यार्थियों का यह कर्तव्य भीं है कि वो पर्यावरण के संरक्षण के लिए भी चिंतन–मनन एवं कार्य करे। प्रकृति सबसे महान शिक्षक है। राष्ट्र एवं समाज के उत्थान हेतु हमें पर्यावरण एवं प्रकृति का संरक्षण करना ही होगा।

एकता और अनुशासन